श्री संजय गांधी द्वारा संबोधित सभा में भाग लेने के लिए व्यक्तियों को ले जाने हेतु उमरेड कोयला खान के वाहनों का उपयोग

6074. **श्री युवराज** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोआर्डीनेशन आफ वेस्टर्न कोलरीज लिमिटेड, नागपुर के जनरल मैनेजर श्री ए० बी० सहाय ने सब-एरिया मैनेजर, उमरेड, सिलवाड़ा, कामंगी और अन्यों को 26 अक्तूबर, 1976 को अपनी तरफ से एक पत्र भेजा था कि श्री संजय गांधी द्वारा संबोधित की जाने वाली बैठक में व्यक्तियों को ले जाने के लिए ट्रकों, जीपों आदि का उपयोग किया जाये; और

(ख) क्या संजय मैदान बनाने के लिए उमरड कोयला खान से नागपुर तक बुलडोजर और ग्रेडर भी भेजे गये थे और यदि हां, तो ये किस आधार पर भेजे गए थे और इस के लिए जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध कब तक कार्यवाही की जायेगी और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने सूचित किया है कि श्री शाह द्वारा ऐसा कोई पत्र नहीं भेजा गया था ।

(ख) नागपुर के एक संसद सदस्य के अनुरोध करने पर नागपुर के समीप एक हरिजन कोलोनी में खेल के मैदान को समतल करने के लिए उमरेर कोयला खान से एक ग्रेडर भेजा गया था । कुछ सप्ताह बाद इस खेल के मैदान को श्री संजय गांधी द्वारा सम्बोधित एक मीटिंग के लिए इस्तेमाल किया गया । इस मामले की जांच के लिए आदेश दे दिए गए हैं तथा अनुसूचित कार्य करने के दोषी किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी ।

राजभाषा कार्यान्वयन समितियां

6075. **श्री युवराज** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग के लिए प्रत्येक मंत्रालय और विभाग में एक-एक राजभाषा कार्यान्वित समिति बनाई गई है ; और

(ख) क्या सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में भी जहां चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को छोड़ कर 25 या इससे अधिक कर्मचारी हैं, राजभाषा कार्यान्वियन समितियां बनाई गई हैं और यदि हां, तो पत्राचार, परिपत्रों आदि में हिन्दी का कितने प्रतिशत उपयोग होता है और सभी समितियों पर प्रत्येक वर्ष कितना खर्च होता है ?

गृह मंत्री (श्री चरण सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) बहुत से ऐसे सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में भी ये समितियां गठित कर दी गई हैं । इन कार्यालयों में पत्र-व्यवहार, परिपत्रों आदि में हिन्दी के उपयोग के प्रतिशतत्व संबंधी जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं है और इसे एकत्रित करने के लिए जितना श्रम और समय लगेगा, वह परिणाम के अनुरूप नहीं होगा ।

चूंकि राजभाषा कार्यन्वयन समितियां विभागीय समितियां हैं इसलिए इन पर खर्च नहीं होता ।

आपात स्थिति के दौरान आकाशवाणी तथा दूरदर्शन में बनाये गये राजपत्रित पद

6076. **श्री लालजी भाई** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :